



TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



2024



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



<https://www.facebook.com/teachersofbihar>



<https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar>



www.teachersofbihar.org

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्ज्वल

18 मई



1. **अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस**— यह दिवस प्रत्येक वर्ष 18 मई को मनाया जाता है। संग्रहालय एक ऐसी जगह है जहाँ अनेक वस्तुएँ दर्शनार्थ सुरक्षित रखी जाती हैं। संग्रहालयों में प्राचीन सिक्के, औजार, पत्थर, गाड़ियाँ, मूर्तियाँ, कला-शिल्प आदि तरह-तरह की चीजें रखी जाती हैं। वर्ष 1983 में संयुक्त राष्ट्र ने संग्रहालय की महत्ता को देखते हुए लोगों में इसके बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

2. **पोखरण परमाणु विस्फोट दिवस**— भारतीय परमाणु आयोग ने अपना पहला परमाणु परीक्षण राजस्थान के पोखरण, जैसलमेर में 18 मई, 1974 ई. को किया था। 12 किलोटन क्षमता वाले इस बम में प्लूटोनियम का प्रयोग किया गया था। इस परीक्षण के साथ ही भारत छठा परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बन गया। इस परीक्षण को 'स्माइलिंग बुद्ध' का नाम दिया गया था। यह पहला अवसर था जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य देशों के अलावे किसी अन्य देश ने परमाणु परीक्षण किया हो।

- **बच्चों को क्या दिखायें?** बच्चों को जॉन अब्राहम अभिनित फिल्म 'परमाणु' दिखायें।

3. **पहली भारतीय फिल्म पुंडलीक रिलीज**— पहली भारतीय फीचर लेंथ फिल्म 'पुंडलीक' 18 मई, 1912 को ही रिलीज हुई थी। इसे मुम्बई के कॉरोनेशन थियेटर में प्रदर्शित किया गया था, जो कि दो सप्ताह तक सफलतापूर्वक चली। यह विख्यात रंगकर्मी रामचन्द्र गोपाल तोरणे (जिन्हें दादा साहेब तोरणे भी कहा जाता था) तथा एन. जी. चित्रे द्वारा सुगठित पटकथा पर निर्मित थी। दादा साहेब तोरणे ने इस फिल्म का निर्माण एक नाटक के फिल्मांकन से किया था।

4. **विश्व एड्स टीकाकरण दिवस**— प्रतिवर्ष 18 मई को विश्व एड्स टीकाकरण दिवस मनाया जाता है ताकि एड्स जैसे बीमारी के लिये टीके की खोज करने वाले वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया जा सके। आज तक एचआईवी की कोई दवा नहीं बनी है लेकिन टीके के माध्यम से खुद का बचाव अवश्य किया जा सकता है। यह पहली बार मई 1998 में मॉगर्न स्टेट यूनिवर्सिटी में अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के 1997 में भाषण के बाद मनाया गया था, जहाँ उन्होंने कहा था कि टीका ही प्रसार को सीमित करने और अंततः एचआईवी का सफाया करने का एकमात्र तरीका था।





Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

18 मई



मधु प्रिया

अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 18 मई



अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस प्रत्येक वर्ष 18 मई को मनाया जाता है। वर्ष 1983 में 18 मई को संयुक्त राष्ट्र ने संग्रहालय की विशेषता एवं महत्व को समझते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाने का निर्णय लिया। इसका मूल उद्देश्य जनसामान्य में संग्रहालयों के प्रति जागरूकता तथा उनके कार्यकलापों के बारे में जन जागृति फैलाना था। इसका यह भी एक उद्देश्य था कि लोग संग्रहालयों में जाने अपने इतिहास को अपनी प्राचीन समृद्ध परंपराओं को जाने और समझे। अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद के अनुसार " संग्रहालय में ऐसी अनेक चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं जो मानव सभ्यता की याद दिलाती है संग्रहालय में रखी वस्तु हमारी सांस्कृतिक धरोहर तथा प्रकृति को प्रदर्शित करती है" वर्ष 1992 में अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद ने यह निर्णय लिया कि वह प्रत्येक वर्ष एक नए विषय का चयन करेंगे एवं जन सामान्य को संग्रहालय विशेषज्ञों से मिलने का संग्रहालयों की चुनौतियों से अवगत कराने के लिए स्रोत सामग्री विकसित करेंगे। यह विषय संग्रहालयों की भूमिका पर केंद्रित है, जो लोगों के बीच शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समाज के लाभ के लिए काम कर रहा है। इसमें यह भी पता चलता है कि सामरिक इतिहास की स्वीकृति सामंजस्य के बैनर के तहत साझा भविष्य को देखने के लिए पहला कदम है। संग्रहालयों की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए हर साल अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद एक विषय चुनती है जो संबंधित समाज का दिल है। अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2023 के इस बार के संस्करण की थीम 'म्यूजियम, सस्टेनेबिलिटी एंड वेल बीइंग' रखी गई है।



Teachers of Bihar

The change makers

पुण्यतिथि विशेष 18 मई

राकेश कुमार

जन्म: 09 नवंबर 1904

मृत्यु: 18 मई 1966

सुप्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी
पंचानन माहेश्वरी जी
की पुण्यतिथि पर आत्मीय श्रद्धांजलि



पंचानन माहेश्वरी(1904-1966 ई0), सुप्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी थे। इनका जन्म राजस्थान के जयपुर नगर में हुआ था, जहाँ इनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा हुई। प्रयाग विश्वविद्यालय से आपने एम0 एस-सी0 की परीक्षा उत्तीर्ण की। वनस्पति के पादरी प्रोफेसर के चरित्र का इन पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा और उससे इनमें कर्मठता, स्पष्टवादिता तथा सहृदयता के गुण आए।



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar
The Change Makers

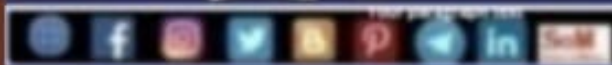
राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 18.05.2024

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (freedom of expression) या वाक स्वतंत्रता (freedom of speech) किसी व्यक्ति या समुदाय द्वारा अपने मत और विचार को बिना प्रतिशोध, अभिवेचन या दंड के डर के प्रकट कर पाने की स्थिति होती है।



www.teachersofbihar.org



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

1 टन न्यूज पेपर बनाने के लिए
औसत 24 पेड़ काटे जाते हैं।



TOB बूझो तो जानें...



सर है, दुम है, मगर पाँव नहीं उसके , पेट है,
आँख है, मगर कान नहीं उसके ... बुझो तो जानें ?



www.teachersofbihar.org





Today's Quiz



Quiz Number 390

"फॉन" किस देश से संबंधित एक गर्म हवा हैं ?

A. भारत

B. गिनी

C. स्विटजरलैण्ड

D. अमेरिका



www.teachersofbihar.org



ToB बालमन विशेषांक

विषय :- भूगोल

[साप्ताहिक]

गर्म स्थानीय पवन (Warm Local Winds)

➤ लू (Loo):-

उत्तरी भारत में गर्मियों में उत्तर-पूर्व तथा पश्चिम से पूरब दिशा में चलने वाली धूलभरी, प्रचण्ड उष्ण तथा शुष्क हवाओं को लू कहते हैं। यह हवा मई तथा जून में चलती हैं।

➤ चिनुक (Chinook):-

यह प्रेयरी के मैदान में चलती है। इसके आने से बर्फ पिघल जाता है। अतः इसे हिमभक्षी कहते हैं। यह चारागाह के लिए अच्छी है। यह रॉकी पर्वत के पूर्वी ढाल पर प्रभावित होती है।

➤ फॉन (Foehn):-

यह स्वीटजरलैंड में आल्पस पर्वत पर चलती है। इसके आने से अंगूर पक जाता है।

➤ सिरोको (Siroco):-

यह सहारा मरूस्थल से उत्तर की ओर चलती है तथा भूमध्य सागर से नमी (आर्द्रता) ग्रहण कर लेती है। इसमें बालू पहले से उपस्थित रहता है। जिस कारण इससे होने वाली वर्षा लाल रंग की दिखती है। जिस कारण इसे रक्त वर्षा कहते हैं।

➤ हरमट्टन (Harmattan):-

यह गिनी देश में पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है इसके आने से ठण्ड खत्म हो जाता है जिस कारण इसे डॉक्टर पवन कहते हैं।





TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

शारीरिक शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा हेतु

100 प्रश्नों की शृंखला

10.05.2024 से शुरू

टीचर्स ऑफ बिहार का एक प्रयास अपने शिक्षकों के लिए

81. 'नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान' कहाँ स्थित है? – पटियाला में (पहले इसका नाम 'राष्ट्रीय खेल संस्थान' था, यह एशिया का सबसे बड़ा खेल संस्थान है)
82. ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड किसके नाम है? – माइकल फेलप्स (अमेरिकी तैराक 28 ओलंपिक पदकों के साथ जिनमें 23 स्वर्ण पदक हैं)
83. 'उसेन बोल्ट' का सम्बन्ध किस खेल से है? – एथलेटिक्स (दौड़) (जमैका के अंतर्राष्ट्रीय धावक और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। वे 100 मीटर और 200 मीटर और अपनी टीम के साथियों के साथ 4×100 मीटर रिले दौड़ के विश्व रिकार्डधारी हैं। इन सभी तीन दौड़ों का ओलंपिक रिकॉर्ड भी बोल्ट के नाम है।)
84. किसे 'पोल वॉल्ट का बादशाह' कहा जाता है? – सर्गेई बुबका को (यूक्रेन) (पोल वॉल्टिंग को पोल जंपिंग के रूप में भी जाना जाता है)
85. ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय कौन हैं? – राज्यवर्धन सिंह राठौर
86. 'चकर' शब्द किस खेल से संबंधित है? – पोलो से
87. 'चेकमेट' किस खेल से सम्बंधित शब्द है? – शतरंज से
88. 'परिमार्जन नेगी' ने किस खेल में विशिष्टता दिखाई है? – शतरंज में (परिमार्जन नेगी भारत के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी है)
89. जोशना चिनप्पा किस खेल से जुड़ी रही हैं? – स्क्वैश (स्क्वाॅश) से (2003 में अंडर 19 की कैटेगरी में ब्रिटिश स्क्वाॅश चैम्पियनशिप जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला)
90. किस खेल को प्रारंभ करने के तरीके को 'गैम्बिट' कहा जाता है? – शतरंज को

नैश (J.B. Nash) के अनुसार :
शारीरिक शिक्षा समूची शिक्षा का एक भाग है, जिसका सम्बन्ध मांस-पेशियों की क्रियाओं के साथ है।





18 मई

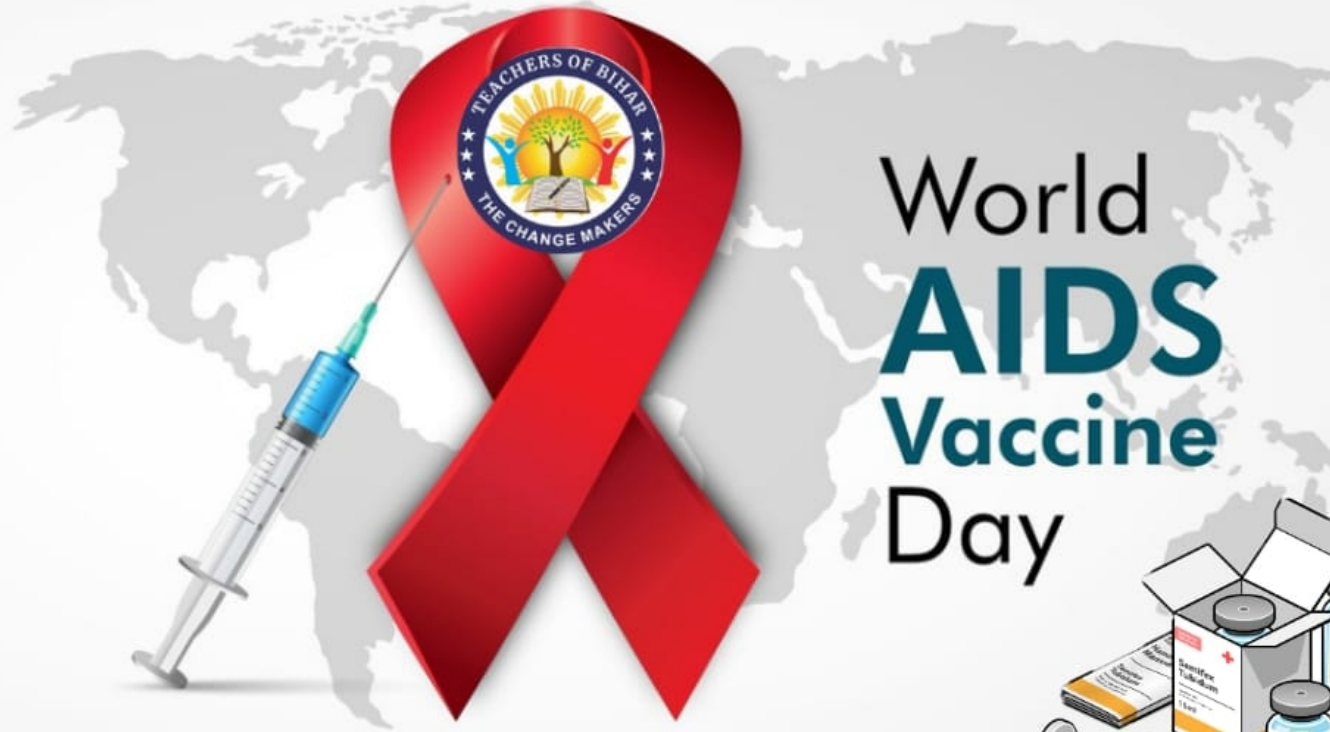
अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस



अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य जनसामान्य में संग्रहालयों के प्रति जागरूकता तथा उनके कार्यकलापों के बारे में जन जागृति फैलाना है। इसका एक उद्देश्य यह भी है, कि लोग संग्रहालयों को जाने, अपने इतिहास को, अपनी प्राचीन समृद्ध परंपराओं को जाने और समझे।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org



World
AIDS
Vaccine
Day

18 मई



अंतर्राष्ट्रीय एड्स टीकाकरण दिवस

Aids जैसे गंभीर बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से "अंतरराष्ट्रीय एड्स टीकाकरण दिवस" मनाया जाता है।

Madhu priya



18 मई 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

लोगों की निंदा से परेशान होकर अपना रास्ता ना बदलना
क्योंकि सफलता शर्म से नहीं साहस से मिलती है।

स्वामी विवेकानंद जी



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org